

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL OF POLICE
HARYANA

HOME (POLICE) DEPARTMENT

The 24th July, 1986

No. 7835/SA-2.—Cash Leave.—In accordance with the instructions contained in Haryana Government, Finance Department letters No. 11/5/78-FR-II, dated 13th February, 1978 and No. 11/5/78-FR-II, dated 21st August, 1978, read with the advice received from the Home Department, Haryana,—*vide* their letter No. 17/1/79-HGI, dated 25th April, 1979, cash payment in lieu of 180 days unutilized leave equivalent to leave salary is sanctioned to Shri Harnam Singh, DSP/SVP/Hissar who has been retired on superannuation on the afternoon of 31st May, 1986 on the following conditions :—

- (i) The cash equivalent of leave salary thus admissible will be paid in the lump sum as one time settlement.
- (ii) The cash payment will be equal to leave salary admissible for earned leave and dearness allowances admissible on that leave salary at the rates in force on the date of retirement and no compensatory allowance, house rent allowance and kit maintenance allowance shall be payable.

It is certified that Shri Harnam Singh, D.S.P. did not avail of any portion of L.P.R. of 180 days before the date of superannuation.

HANS RAJ SWAN,
Inspector General of Police,
Haryana.

HOME (POLICE) DEPARTMENT

The 24th July, 1986

No. 7847/SA-2.—Cash Leave.—In accordance with the instructions contained in Haryana Government, Finance Department letters No. 11/5/78-FR-II, dated 13th February, 1978 and No. 11/5/78-FR-II, dated 21st August, 1978, read with the advice received from the Home Department, Haryana,—*vide* their letter No. 17/1/79-HGI, dated 25th April, 1979, the Governor of Haryana is pleased to grant cash payment in lieu of 180 days unutilised leave equivalent to leave salary to Shri Mulkh Raj, Deputy Superintendent of Police, C.I.D., Haryana who has been retired on superannuation on the afternoon of 30th June, 1986, on the following conditions :—

- (i) The cash equivalent of leave salary thus admissible will be paid in the lump sum as one time settlement.
- (ii) The cash payment will be equal to leave salary admissible for earned leave and dearness allowances admissible on that leave salary at the rates in force on the date of retirement and no compensatory allowance, house rent allowance and kit maintenance allowance shall be payable.

It is certified that Shri Mulkh Raj, D.S.P., did not avail of any portion of L.P.R. of 180 days before the date of superannuation.

HANS RAJ SWAN,
Jt. Secretary and Inspector-General of Police,
Haryana.

LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENT

The 24th July, 1986

No. 10(178)-80-5Lab.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (Central Act 34 of 1948) and after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, the Governor of Haryana hereby exempts the Haryana Tourism Corporation from the operation of the said Act, with effect from the 1st April, 1985 to the 31st March, 1986.

KULWANT SINGH,
Financial Commissioner & Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Department,

श्रम तथा रोजगार विभाग

दिनांक 24 जुलाई, 1986

सं० 10 (178) 80-5 श्रम.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम 34) की धारा 91-क के साथ पढ़ते हुए धारा 87 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए और कर्मचारी राज्य बीमा निगम के साथ परामर्श करने के पश्चात् हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा हरियाणा पर्यटन निगम को प्रथम अप्रैल, 1985 से इक्वैलीस मार्च, 1986 तक उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देते हैं।

कुलवन्त सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार.

श्रम तथा रोजगार विभाग।

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 22 जुलाई, 1986

क्रमांक 635-ज-(2)-86/21734.—श्री मातु सिंह, पुत्र श्री रामरतन सिंह, गांव खोडी, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 27 अक्टूबर, 1984, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मातु सिंह की मुब्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2770-ज-(I)-73/35468, दिनांक 3 दिसम्बर, 1973 तथा अधिसूचना क्रमांक 1780-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सारबाई के नाम खरीफ, 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 671-ज(2)-86/21738.—श्री रिछपाल सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह, गांव हसान, तहसील सीवान्नी, जिला भिवानी, की दिनांक 17 अप्रैल, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रिछपाल सिंह की मुब्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2298-ज-I-80/472, दिनांक 5 जनवरी, 1981 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती नानकौर के नाम खरीफ, 1986 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई, 1986

क्रमांक 679-ज(2)-86/21980.—श्री नेकी राम, पुत्र श्री न्योता राम, गांव पहलादपुर किडौली, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, की दिनांक 18 सितम्बर, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री नेकी राम की मुब्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1101-ज-(2)-74/15303, दिनांक 1 मई, 1974 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती परमेश्वरी के नाम खरी 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

सोम नाथ,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्व विभाग।